BACHELOR OF ARTS (GENERAL)

SOCIOLOGY (BAG) Term-End Examination

December, 2024

BSOC–131: INTRODUCTION TO SOCIOLOGY

MARATHON CLASS

In Hindi & English Both

Scholarly Minds

Discuss the factors for the emergence of Sociology.

समाजशास्त्र के उदय के लिए उत्तरदाजी कारकों की चर्चा कीजिए।

1. **Industrial Revolution (औद्योगिक क्रांति):**
   The Industrial Revolution, which started in the 18th century, brought about major changes in society. It led to the growth of factories, urbanization, and changes in work and family life. This created the need to understand how society was changing, which led to the development of sociology.

   औद्योगिक क्रांति, जो 18वीं सदी में शुरू हुई, ने समाज में बड़े बदलाव किए। इसने कारखानों का विकास, शहरीकरण और कामकाजी जीवन और पारिवारिक जीवन में बदलाव लाए। इससे यह समझने की आवश्यकता उत्पन्न हुई कि समाज कैसे बदल रहा है, जो समाजशास्त्र के विकास का कारण बना।

2. **French Revolution (फ्रांसीसी क्रांति):**
   The French Revolution in 1789 marked a turning point in the history of society. It introduced ideas of liberty, equality, and fraternity, challenging traditional social structures. This social and political change led thinkers to study the effects of such revolutions on society, which contributed to the emergence of sociology.

   1789 में फ्रांसीसी क्रांति ने समाज के इतिहास में एक मोड़ दिया। इसने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के विचारों को पेश किया, जिसने पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं को चुनौती दी। यह सामाजिक और राजनीतिक बदलाव यह जानने के लिए प्रेरित करता था कि ऐसी क्रांतियों का समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है, जिससे समाजशास्त्र का जन्म हुआ।

3. **Scientific Revolution (वैज्ञानिक क्रांति):**
   The Scientific Revolution, which began in the 16th century, changed the way people thought about the world. It emphasized observation, experimentation, and rational

thinking. Sociologists, inspired by this, began to apply scientific methods to study society and human behavior.

16वीं सदी में शुरू हुई वैज्ञानिक क्रांति ने लोगों के दुनिया के बारे में सोचने के तरीके को बदल दिया। इसने अवलोकन, प्रयोग और तार्किक सोच पर जोर दिया। समाजशास्त्रियों ने इससे प्रेरित होकर समाज और मानव व्यवहार का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिक विधियों को अपनाया।

4. **Rise of Democracy (लोकतंत्र का उदय):**
   As democracy grew, especially in Europe and America, there was a shift towards individual rights and freedoms. This created interest in understanding the social and political systems that support democracy, leading to the development of sociology.

   जैसे-जैसे लोकतंत्र बढ़ा, विशेष रूप से यूरोप और अमेरिका में, व्यक्तिगत अधिकारों और स्वतंत्रताओं की ओर एक बदलाव आया। इसने यह समझने में रुचि पैदा की कि वे सामाजिक और राजनीतिक प्रणाली जो लोकतंत्र का समर्थन करती हैं, कैसे काम करती हैं, और यह समाजशास्त्र के विकास का कारण बनी।

5. **Urbanization (शहरीकरण):**
   As more people moved to cities for jobs during industrialization, new social issues arose, such as poverty, crime, and poor living conditions. Sociologists studied these problems to understand how urban life was affecting society and individuals.

   जब औद्योगिकीकरण के दौरान अधिक लोग नौकरी के लिए शहरों में आने लगे, तो नई सामाजिक समस्याएँ उभरीं, जैसे गरीबी, अपराध और खराब जीवन स्थितियाँ। समाजशास्त्रियों ने इन समस्याओं का अध्ययन किया ताकि यह समझा जा सके कि शहरी जीवन समाज और व्यक्तियों को कैसे प्रभावित कर रहा है।

6. **Growth of Education (शिक्षा का विकास):**
   The expansion of education in the 19th century, especially in Europe and America, encouraged people to think critically about society and its problems. Educated people began to question traditional ideas and sought new ways of understanding social issues, contributing to the emergence of sociology.

   19वीं सदी में, विशेष रूप से यूरोप और अमेरिका में शिक्षा का विस्तार हुआ, जिसने लोगों को समाज और उसकी समस्याओं के बारे में आलोचनात्मक सोचने के लिए प्रेरित किया। शिक्षित लोग पारंपरिक विचारों पर सवाल उठाने लगे और सामाजिक मुद्दों को समझने के नए तरीके तलाशने लगे, जिससे समाजशास्त्र का उदय हुआ।

7. **Philosophical Ideas (दार्शनिक विचार):**
   Many philosophers, like Auguste Comte, Karl Marx, and Max Weber, questioned the social order and the way society functioned. Their ideas about social change, inequality, and the role of individuals in society led to the formal development of sociology as a discipline.

Scholarly Minds

कई दार्शनिकों, जैसे ऑगस्टे कॉम्टे, कार्ल मार्क्स और मैक्स वेबर ने सामाजिक व्यवस्था और समाज के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए। समाज में सामाजिक परिवर्तन, असमानता और व्यक्तियों की भूमिका के बारे में उनके विचारों ने समाजशास्त्र के रूप में एक शास्त्र के रूप में इसके औपचारिक विकास को प्रेरित किया।

What is culture ? Describe its characteristics.

संस्कति क्या है ? इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Culture refers to the shared beliefs, values, customs, behaviours, and traditions that a group of people or a society follow. It is what defines how people live, think, interact, and express themselves in various ways. Culture is passed down from one generation to the next and shapes the identity of a community.

संस्कृति उस समूह के साझा विश्वासों, मूल्यों, रीति-रिवाजों, व्यवहारों और परंपराओं को कहा जाता है जो लोग या समाज अपनाते हैं। यह बताती है कि लोग किस तरह से जीते हैं, सोचते हैं, बातचीत करते हैं और खुद को विभिन्न तरीकों से व्यक्त करते हैं। संस्कृति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचती है और एक समुदाय की पहचान बनाती है।

Characteristics of Culture

1. **Learned Behavior (सीखी हुई आदतें):**
   Culture is learned, not inherited. It is passed on through social interactions, education, and experiences. People learn their culture from family, friends, schools, and society.

   संस्कृति सीखी जाती है, यह वंशानुगत नहीं होती। यह सामाजिक बातचीत, शिक्षा और अनुभवों के माध्यम से आगे बढ़ती है। लोग अपने परिवार, दोस्तों, स्कूल और समाज से अपनी संस्कृति सीखते हैं।

2. **Shared (साझा):**
   Culture is shared among the members of a society. People of the same culture have common beliefs, traditions, and practices. It creates a sense of belonging and unity within a community.

   संस्कृति समाज के सदस्यों के बीच साझा होती है। समान संस्कृति वाले लोग समान विश्वासों, परंपराओं और प्रथाओं को साझा करते हैं। यह समुदाय में एकता और जुड़ाव का अहसास पैदा करता है।

3. **Symbolic (प्रतीकात्मक):**
   Culture uses symbols like language, art, rituals, and clothing to convey meaning. These symbols represent ideas and beliefs that are significant to a culture.

   संस्कृति प्रतीकों का उपयोग करती है, जैसे भाषा, कला, अनुष्ठान, और वस्त्र, ताकि अर्थ व्यक्त किया जा सके। ये प्रतीक ऐसे विचारों और विश्वासों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।

Scholarly Minds

4. **Dynamic (गतिशील):**
   Culture is not static; it changes over time. It adapts to new situations, ideas, and influences. Technology, migration, and global interactions lead to cultural changes.

   संस्कृति स्थिर नहीं होती; यह समय के साथ बदलती रहती है। यह नई स्थितियों, विचारों और प्रभावों के अनुसार ढलती है। प्रौद्योगिकी, प्रवासन और वैश्विक बातचीत से सांस्कृतिक बदलाव होते हैं।

5. **Norms and Values (मानदंड और मूल्य):**
   Culture establishes norms (rules of behaviour) and values (beliefs about what is important or right). These guide people's actions and interactions in society.

   संस्कृति मानदंड (व्यवहार के नियम) और मूल्य (जो महत्वपूर्ण या सही है, इस पर विश्वास) स्थापित करती है। ये समाज में लोगों के कार्यों और बातचीत को मार्गदर्शन करते हैं।

Discuss the approaches to the understanding of social change.

सामाजिक परिवर्तन के अध्ययन सम्बन्धी दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए।

1. **Evolutionary Approach (विकासात्मक दृष्टिकोण):**
   This approach says that social change happens slowly, just like the way living things evolve over time. Societies change step by step, starting from simple forms and becoming more complex as time passes.

   यह दृष्टिकोण कहता है कि सामाजिक परिवर्तन धीरे-धीरे होता है, जैसे समय के साथ जीवित चीजों का विकास होता है। समाज एक-एक कदम बढ़ता है, पहले सरल रूप से शुरू होता है और समय के साथ अधिक जटिल बनता है।

2. **Conflict Approach (संघर्षात्मक दृष्टिकोण):**
   According to this approach, social change happens because of conflicts between different groups, like different classes, races, or genders. When these groups fight for power or resources, social change occurs.

   इस दृष्टिकोण के अनुसार, सामाजिक परिवर्तन विभिन्न समूहों के बीच संघर्षों के कारण होता है, जैसे विभिन्न वर्गों, जातियों या लिंगों के बीच। जब ये समूह शक्ति या संसाधनों के लिए लड़ते हैं, तो सामाजिक परिवर्तन होता है।

3. **Functionalist Approach (कार्यात्मक दृष्टिकोण):**
   This approach says that social change happens when society needs balance or stability. If one part of society faces a problem, other parts of society adjust to fix it, so balance is restored.

   इस दृष्टिकोण का कहना है कि सामाजिक परिवर्तन तब होता है जब समाज को संतुलन या स्थिरता की आवश्यकता होती है। अगर समाज के किसी हिस्से में समस्या आती है, तो समाज के अन्य हिस्से उसे ठीक करने के लिए समायोजित होते हैं, ताकि संतुलन वापस आ सके।

Scholarly Minds

4. **Cyclical Approach (चक्रीय दृष्टिकोण):**
   This approach believes that societies go through cycles. After a period of growth and success, a society may face problems or decline, but this is followed by a period of renewal and growth again. This cycle keeps repeating.

   यह दृष्टिकोण मानता है कि समाज चक्रों से गुजरते हैं। विकास और सफलता के बाद, समाज को समस्याओं या पतन का सामना करना पड़ता है, लेकिन इसके बाद फिर से नवीनीकरण और विकास का समय आता है। यह चक्र बार-बार दोहराता है।

5. **Modernization Approach (आधुनिकीकरण दृष्टिकोण):**
   The modernization approach believes that social change happens when societies move from being traditional to modern by adopting new technologies, ideas, and ways of doing things. This often happens through industrial growth and development.

   आधुनिकीकरण दृष्टिकोण का मानना है कि सामाजिक परिवर्तन तब होता है जब समाज पारंपरिक से आधुनिक बनने के लिए नई तकनीकों, विचारों और कार्य करने के तरीकों को अपनाता है। यह अक्सर औद्योगिक विकास और प्रगति के माध्यम से होता है।

Discuss economic sociology as a sub-discipline of sociology

आर्थिक समाजशास्त्र की चर्चा, समाजशास्त्र के एक उप-विषयक्षेत्र के रूप में कीजिए।

Economic sociology is the branch of sociology that studies how social factors influence economic activities. It looks at how things like culture, social relationships, and institutions affect the way people produce, consume, and distribute goods and services. While traditional economics focuses on markets, prices, and individual decisions, economic sociology looks at the broader social context in which these economic activities happen.

आर्थिक समाजशास्त्र समाजशास्त्र की वह शाखा है जो यह अध्ययन करती है कि सामाजिक तत्व आर्थिक गतिविधियों को कैसे प्रभावित करते हैं। यह देखता है कि संस्कृति, सामाजिक संबंध और संस्थाएँ किस प्रकार लोगों द्वारा सामान और सेवाओं का उत्पादन, उपभोग और वितरण करने के तरीके को प्रभावित करती हैं। जबकि पारंपरिक अर्थशास्त्र बाजारों, कीमतों और व्यक्तिगत निर्णयों पर ध्यान केंद्रित करता है, आर्थिक समाजशास्त्र उन व्यापक सामाजिक संदर्भों को देखता है जिसमें ये आर्थिक गतिविधियाँ होती हैं।

One important aspect of economic sociology is the role of social networks. People don't make economic decisions in isolation; they are influenced by their relationships with others. Social ties, such as family, friends, or colleagues, can impact how people choose to buy, sell, or invest. For example, trust and reputation in a community can affect business deals or the willingness to cooperate in economic exchanges.

आर्थिक समाजशास्त्र का एक महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक नेटवर्क्स की भूमिका है। लोग आर्थिक निर्णय अकेले नहीं लेते; वे दूसरों के साथ अपने रिश्तों से प्रभावित होते हैं। सामाजिक संबंध, जैसे परिवार, दोस्त या सहकर्मी, इस बात पर असर डाल सकते हैं कि लोग खरीदने, बेचने या निवेश करने का निर्णय

Scholarly Minds

कैसे लेते हैं। उदाहरण के लिए, एक समुदाय में विश्वास और प्रतिष्ठा व्यापारिक सौदों या आर्थिक लेन-देन में सहयोग करने की इच्छा को प्रभावित कर सकते हैं।

Economic sociology also studies the role of culture and social norms in shaping economic behavior. Different societies may have different ideas about what is acceptable in economic life, such as the value of work, money, or wealth. These cultural beliefs influence how people participate in economic activities and how they understand concepts like fairness or success. In this way, economic sociology highlights the deep connection between society and the economy.

आर्थिक समाजशास्त्र यह भी अध्ययन करता है कि सांस्कृतिक विश्वास और सामाजिक मानदंड आर्थिक व्यवहार को कैसे आकार देते हैं। विभिन्न समाजों में आर्थिक जीवन में क्या स्वीकार्य है, इसके बारे में अलग-अलग विचार हो सकते हैं, जैसे काम, पैसे या संपत्ति का मूल्य। ये सांस्कृतिक विश्वास इस बात को प्रभावित करते हैं कि लोग आर्थिक गतिविधियों में कैसे भाग लेते हैं और वे न्याय या सफलता जैसे सिद्धांतों को कैसे समझते हैं। इस तरह, आर्थिक समाजशास्त्र समाज और अर्थव्यवस्था के बीच गहरे संबंध को उजागर करता है।

Describe the similarities and differences between Sociology and Social Anthropology.

समाजशास्त्र और सामाजिक मानवशास्त्र के बीच की समानताओं एवं असमानताओं का वर्णन कीजिए।

1. **Focus on Society (समाज पर ध्यान):**
   Both sociology and social anthropology study human society, but they focus on different things. Sociology mainly looks at modern society, studying social institutions like schools, family, and politics. Social anthropology looks at both modern and traditional societies and focuses more on culture, customs, and traditions of people.

   समाजशास्त्र और सामाजिक मानवशास्त्र दोनों ही मानव समाज का अध्ययन करते हैं, लेकिन उनका ध्यान अलग-अलग चीजों पर होता है। समाजशास्त्र मुख्य रूप से आधुनिक समाज पर ध्यान देता है, जैसे स्कूल, परिवार और राजनीति जैसी सामाजिक संस्थाओं का अध्ययन करता है। सामाजिक मानवशास्त्र आधुनिक और पारंपरिक दोनों समाजों का अध्ययन करता है और लोगों की संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं पर अधिक ध्यान देता है।

2. **Methods of Study (अध्यान विधियाँ):**
   Sociology usually uses surveys and statistics to study large groups of people and understand patterns in behavior. Social anthropology, on the other hand, uses methods like living with a community to observe their culture and traditions closely.

   समाजशास्त्र आमतौर पर बड़े समूहों का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण और सांख्यिकी का उपयोग करता है और व्यवहार में पैटर्न समझता है। दूसरी ओर, सामाजिक मानवशास्त्र ऐसे तरीकों का उपयोग करता है जैसे किसी समुदाय के साथ रहना ताकि उनकी संस्कृति और परंपराओं को करीब से देखा जा सके।

Scholarly Minds

3. **Scope of Study (अध्यान का दायरा):**
   Sociology focuses more on studying social problems and institutions in today's world. It looks at how schools, governments, and businesses shape society. Social anthropology, however, studies both the past and present, focusing on how people's cultures and lifestyles change over time.

   समाजशास्त्र आज की दुनिया में सामाजिक समस्याओं और संस्थाओं का अध्ययन करता है। यह देखता है कि स्कूल, सरकारें और व्यवसाय समाज को कैसे प्रभावित करते हैं। सामाजिक मानवशास्त्र, हालांकि, अतीत और वर्तमान दोनों का अध्ययन करता है, और यह देखता है कि समय के साथ लोगों की संस्कृति और जीवनशैली कैसे बदलती है।

4. **Nature of Study (अध्यान की प्रकृति):**
   Sociology looks at social issues like poverty and crime in modern cities and tries to solve them. Social anthropology, however, is more interested in studying traditional cultures and how they adapt to changes over time.

   समाजशास्त्र आधुनिक शहरों में गरीबी और अपराध जैसी सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करता है और इन्हें हल करने की कोशिश करता है। सामाजिक मानवशास्त्र, हालांकि, पारंपरिक संस्कृतियों का अध्ययन करने में अधिक रुचि रखता है और यह देखता है कि ये संस्कृतियाँ समय के साथ कैसे बदलाव को अपनाती हैं।

What are the social and economic changes that swept 19th century European society? Discuss.

19वीं शताब्दी के यूरोपियाई समाज के विध्वंस हेतु उत्तरदायी सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तनों की चर्चा कीजिए।

- **Industrial Revolution (औद्योगिक क्रांति):**

In the 19th century, the Industrial Revolution changed the way people worked and lived. Factories were built, and machines replaced manual labor. Many people moved from farms to cities to work in factories, which led to rapid urban growth.

19वीं सदी में, औद्योगिक क्रांति ने लोगों के काम करने और जीने के तरीके को बदल दिया। कारखाने बनाए गए और मशीनों ने हाथ से काम करने की जगह ले ली। बहुत से लोग खेतों से शहरों में काम करने के लिए आ गए, जिससे शहरीकरण तेज़ी से बढ़ा।

- **Urbanization (शहरीकरण):**

As factories grew, more people moved to cities. Cities became crowded, and new problems like poor living conditions and increased crime appeared.

जैसे-जैसे कारखाने बढ़े, अधिक लोग शहरों में आने लगे। शहर भीड़-भाड़ वाले हो गए, और नए समस्याएँ जैसे खराब जीवन स्थितियाँ और बढ़ता हुआ अपराध सामने आईं।

Scholarly Minds

- **Social Class Changes (सामाजिक वर्गों में बदलाव):**

The rise of factories created two main social classes: the wealthy factory owners (bourgeoisie) and the workers (proletariat). Workers worked long hours for low wages, while factory owners became richer.

कारखानों के बढ़ने से दो प्रमुख सामाजिक वर्ग बने: अमीर कारखाना मालिक (बुर्जुआ वर्ग) और श्रमिक (प्रोलिटेरियट)। श्रमिकों को कम वेतन पर लंबा काम करना पड़ता था, जबकि कारखाना मालिक अमीर होते गए।

- **Capitalism (पूंजीवाद का विकास):**

The growth of factories and businesses led to capitalism, where businesses were privately owned and run for profit. This system made some people very rich but also led to the exploitation of workers.

कारखानों और व्यवसायों के बढ़ने से पूंजीवाद का विकास हुआ, जिसमें व्यवसाय निजी स्वामित्व में होते हैं और लाभ के लिए चलते हैं। इस प्रणाली ने कुछ लोगों को बहुत अमीर बना दिया, लेकिन यह श्रमिकों के शोषण का कारण भी बना।

- **Family Changes (पारिवारिक बदलाव):**

With people working in factories, the family structure changed. Men went to work in factories, while women and children often worked in the same factories or stayed home.

जब लोग कारखानों में काम करने लगे, तो पारिवारिक संरचना में बदलाव आया। पुरुष कारखानों में काम करने गए, जबकि महिलाएँ और बच्चे अक्सर वहीं काम करते थे या घर पर रहते थे।

- **Political Changes (राजनीतिक बदलाव):**

Many European countries started moving towards democracy in the 19th century. People fought for voting rights and the end of powerful kings. Nationalism also grew, with people feeling proud of their country.

19वीं सदी में, कई यूरोपीय देशों ने लोकतंत्र की ओर बढ़ना शुरू किया। लोग मतदान अधिकारों और शक्तिशाली राजाओं के अंत के लिए संघर्ष करने लगे। राष्ट्रवाद भी बढ़ा, और लोग अपने देश पर गर्व महसूस करने लगे।

- **Technological Advances (प्रौद्योगिकी में विकास):**

The 19th century saw new inventions like the steam engine, telegraph, and telephone. These inventions made transportation and communication faster and helped connect people and places more easily.

19वीं सदी में स्टीम इंजन, टेलीग्राफ और टेलीफोन जैसे नए आविष्कार हुए। इन आविष्कारों ने परिवहन और संचार को तेज़ किया और लोगों और स्थानों को आसानी से जोड़ने में मदद की।

Scholarly Minds

WATCH PART 1 FOR MORE QUESTIONS

LINK IS IN DESCRIPTION

DOWNLOAD PDF FROM WEBSITE hindustanknowledge.com

WHATSAPP CHANNEL JOIN FROM LINK

Scholarly Minds